RAN-2101002502030031

RAN-2101002502030031

S.Y.B.A. (External) Examination March - 2026

Hindi Paper-III (Principal) C.C.

Hindi Kavya - Chhayawadi Kavya Vaibhav Bhashmankur-Nagarjun

हिंदी काव्य : छायावादी काव्य वैभव और भस्मांकुर–नागार्जुन

[Total Marks: 100

સૂચના : / Instructions	Seat No.:
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી. Fill up strictly the above details on your answer book.	Student's Signature

प्र–1. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' द्वारा रचित जुही की कली और 'जागो फिर एक बार' कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए। **20**

अथवा

'प्रथम रश्मि' और 'बापू के प्रति' कविता की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

प्र–2. जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित 'मेरे नाविक' और 'भारत देश' कविता की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। **20**

अथवा

'बीन हूं मैं तुम्हारी रागिनी भी हूं' और 'मैं बनी मधुमास आली' कविता का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

प्र–3. भस्मांकुर की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। **20**

अथवा

नागार्जुन का व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय दीजिए ।

प्र–4. कामदेव की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। **20**

अथवा

रति का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

प्र–5. **टिप्पणीयाँ लिखिए। (किन्हीं दो)** **20**

1) भस्मांकुर काव्य के शीर्षक की सार्थकता ।
2) भस्मांकुर में संवाद–योजना।
3) भस्मांकुर का उद्देश्य।
4) भस्मांकुर काव्य का कला–पक्ष ।